पेपर लीक के विरोध में एमपी में बवाल

कई शहरों में रैली-धरना और रीवा-सतना में पुलिस से झड़प

भोपाल, 24 जुलाई. दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में चल रहे आंदोलन की गूंज अब मध्य प्रदेश में भी सुनाई देने लगी है.

शुक्रवार को प्रदेश के कई शहरों में छात्र संगठनों, एनएसयूआई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली, धरना-प्रदर्शन और विरोध मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. कई स्थानों पर पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति भी बनी. इंदौर के टंट्या भील चौराहे पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल-मंझीरे के

साथ विरोध जताते हुए पेपर लीक की निष्पक्ष जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की. भोपाल में बोर्ड ऑफिस के सामने छात्रों ने धरना दिया और हाथों में पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया. उनका कहना था कि जब तक भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा.

रीवा में एनएसयूआई कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में रोककर हिरासत में ले लिया. सतना में कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचने की कोशिश की, जहां बैरिकेड्स हटाने को लेकर पुलिस से धक्का-मुक्की हुई. बैतूल में अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई गई.

छात्रों ने किया चार किलोमीटर पैदल मार्च

नर्मदापुरम में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी के आवास के सामने प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया. पुलिस द्वारा पुतला छीनने का प्रयास किए जाने पर कार्यकर्ता जलता हुआ पुतला लेकर सड़क पर दौड़ पड़े. वहीं श्योपुर में छात्र चार किलोमीटर पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और दो घंटे तक धरना दिया.

नमाज पर सहमति नहीं, 29 को फिर होगी सुनवाई

- भोजशाला नमाज स्थल विवाद
- वैकल्पिक जगह पर मुस्लिम पक्ष ने जताई आपत्ति
- सरकार ने रखी दूरी की बात, प्रशासन और पक्षकारों की बैठक रही बेनतीजा

संजय वाजपेई

धार. भोजशाला कमाल मौला मस्जिद मामले में जुमे की नमाज के लिए वैकल्पिक स्थल को लेकर चल रहा विवाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा. सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष ने प्रशासन द्वारा तय किए गए स्थान पर आपत्ति जताते हुए भोजशाला के निकट व्यवस्था करने की मांग रखी, जबकि राज्य सरकार की ओर से वैकल्पिक स्थल को लेकर अपना पक्ष रखा. सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आवेदन पर अगली सुनवाई 29 जुलाई तय की है.

सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी ने न्यायालय के समक्ष कहा कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा स्थान भोजशाला के आसपास नहीं है और इससे पहले दो जुमे की नमाज प्रभावित हुई है. उन्होंने कहा कि न्यायालय के पूर्व निर्देशों की भावना के अनुरूप भोजशाला के निकट वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए. वहीं, केंद्र और राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि प्रशासन और दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत चल रही है और आपसी सहमति से उपयुक्त स्थान तलाशने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने मामले की सुनवाई के लिए मंगलवार या बुधवार की तारीख देने का आग्रह किया. भोजशाला परिसर और शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा. वरिष्ठ अधिकारी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए थे. प्रशासन ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की.

दूरी को लेकर दोनों पक्षों में मतभेद-सुनवाई के दौरान वैकल्पिक नमाज स्थल की दूरी को लेकर भी दोनों पक्षों ने अपनी अपनी बात रखी. मुस्लिम पक्ष ने कहा कि प्रशासन द्वारा सुझाया गया स्थान सड़क मार्ग से अधिक दूरी पर है. वहीं, सरकार की ओर से बताया गया कि प्रस्तावित स्थान करीब 900 मीटर की दूरी पर है. मुस्लिम पक्ष ने इसे हवाई दूरी बताते हुए सड़क मार्ग की दूरी अलग होने की बात कही.

मालीवाड़ा में भारी सुरक्षा इंतजाम, नहीं हुई नमाज-शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा क्षेत्र में चालीस पीर दरगाह के पास जुमे की नमाज के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. हालांकि, मुस्लिम समाज की ओर से वहां नमाज अदा नहीं की. समाज के सदर अब्दुल समद ने कहा कि प्रशासन द्वारा तय स्थान को लेकर उनकी सहमति नहीं है और समाज के लोगों ने आसपास की मस्जिदों में नमाज अदा की.

बैठक में नहीं बनी सहमति

इधर, गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के बीच वैकल्पिक नमाज स्थल को लेकर करीब दो घंटे चर्चा हुई, लेकिन बैठक में कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी. प्रशासन की ओर से अन्य संभावित स्थानों के प्रस्ताव भी रखे, जिन पर मुस्लिम पक्ष ने आपत्तियां जताईं. मुस्लिम पक्ष का कहना है कि उसे भोजशाला के निकट स्थान उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जबकि प्रशासन द्वारा चिन्हित मालीवाड़ा स्थित चालीस पीर दरगाह क्षेत्र को लेकर सहमति नहीं बन सकी.

हमारी मांग...

हमारी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भावना के अनुरूप भोजशाला के निकट नमाज के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए. प्रशासन द्वारा सुझाए गए स्थान को लेकर हमारी आपत्ति है.

- अब्दुल समद, सदर मुस्लिम समाज

प्रशासन ने जो वैकल्पिक व्यवस्था की है, वह कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित है. न्यायालय के निर्देशों और प्रशासनिक व्यवस्था का पालन होना चाहिए.

- गोपाल शर्मा, हिंदू पक्ष प्रतिनिधि

एक नजर में

7 वर्षों से फरार वारंटी मथुरा से गिरफ्तार

ग्वालियर. 7 वर्षों से फरार 10 हजार रुपये के इनामी स्थाई वारंटी को ग्वालियर पुलिस ने मथुरा से गिरफ्तार किया है. एसएसपी ग्वालियर के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने वृंदावन क्षेत्र से उसकी गिरफ्तारी की. विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम एवं एकादश अपर सत्र न्यायाधीश, ग्वालियर द्वारा आरोपी संजू उर्फ राहुल दुबे के विरुद्ध स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था. आरोपी की गिरफ्तारी करने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था तथा आरोपी पर 10,000 का इनाम भी घोषित किया गया था.

निर्देश : असवार थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज

भिण्ड. जिले के लहार अनुभाग अंतर्गत असवार थाना क्षेत्र में एक 55 वर्षीय महिला की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद एक व्यक्ति के विरुद्ध दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, जैतपुरा गांव की महिला ने आरोप लगाया कि 16 जून को गांव के रमेश कौरव, जितेंद्र कौरव, विनोद कौरव और राजू कौरव ने उसके साथ मारपीट की तथा जातिसूचक गालियां दीं. महिला का आरोप है कि जब वह घटना की शिकायत दर्ज कराने असवार थाने जा रही थी, उसी दौरान आरोपी रमेश कौरव ने उसके साथ दुष्कर्म किया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी.

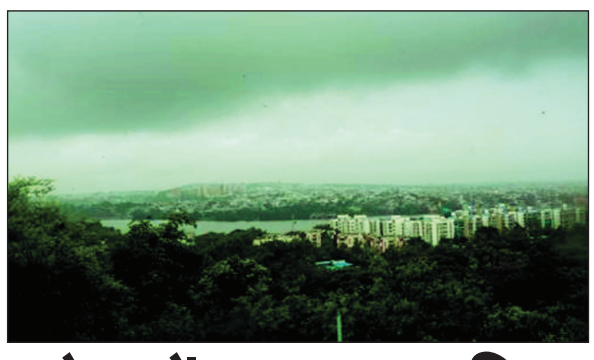

प्रदेश में मानसून सक्रिय

5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, 23 जुलाई. मध्य प्रदेश में एक बार फिर मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है. मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. वहीं 50 से अधिक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है. लगातार सक्रिय हो रहे मौसम सिस्टम के चलते जुलाई के आखिरी सप्ताह में प्रदेशभर में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है.

मौसम विभाग के अनुसार श्योपुर, रतलाम, मंदसौर, आलीराजपुर और पन्ना जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान करीब 4 इंच तक बारिश होने की संभावना है. इसके अलावा राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर सहित अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है.

प्रदेश में 24 जून को मानसून पहुंचने के बाद अब तक औसतन 325.1 मिलीमीटर (12.8 इंच) बारिश दर्ज की गई है. यह सामान्य बारिश से करीब 10 प्रतिशत कम है. इस अवधि में प्रदेश में औसतन 359.6 मिलीमीटर (14.1 इंच) बारिश होनी चाहिए थी. हालांकि राहत की बात यह है कि बारिश की कमी लगातार कम हो रही है. 20 जुलाई तक प्रदेश में बारिश सामान्य से 17 प्रतिशत कम थी, जो अब घटकर 10 प्रतिशत रह गई है. पूर्वी मध्य प्रदेश में अभी भी 13 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 6 प्रतिशत बारिश की कमी बनी हुई है.

50 से ज्यादा जिलों में बारिश के आसार

भारी बारिश वाले 5 जिलों के अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, रीवा, सतना, सागर, दमोह सहित कई जिलों में बारिश होने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है. इससे प्रदेश में बारिश की कमी काफी हद तक पूरी हो सकती है. प्रदेश के 41 जिलों में अभी भी सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है.

इंजीनियरिंग कॉलेज के खंडहर हॉस्टल में मिला शव

जबलपुर, 24 जुलाई. रांझी थाना अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेज की पुरानी बिल्डिंग के एक खंडहर हो चुके हॉस्टल में करीब 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. शव मिलने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को संदेश कुमार राय 30 वर्ष, निवासी जेईसी कॉलेज ने रांझी सूचना दी कि इंजीनियरिंग कॉलेज की पुरानी बिल्डिंग के खंडहर हॉस्टल नंबर 05 के ग्राउंड फ्लोर पर एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया. मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच आंकी जा रही है, प्राथमिक तौर पर अंदेशा जताया जा रहा है कि व्यक्ति की मौत बीती रात 11 बजे से शुक्रवार सुबह 9 बजे के बीच हुई है.

पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद मर्ग कायम कर जांच में ले लिया है. मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है. पुलिस फिलहाल आसपास के थानों और गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगालकर मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है.

छात्रों पर कार्रवाई की कांग्रेस ने की निंदा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 23 जुलाई. पूर्व राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष शोभा ओझा ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया.

उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण एवं गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बलपूर्वक हटाया गया और उन पर अमानवीय तरीके से लाठीचार्ज किया गया. शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शोभा ओझा ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कुछ सादे कपड़ों में मौजूद लोगों ने भी छात्रों के साथ मारपीट की. उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई

में इस्तेमाल की गई लाठियों में कीलें लगी थीं और छात्रों के सिर को निशाना बनाकर प्रहार किए गए. उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से जुड़े अपने लंबे अनुभव में उन्होंने छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार पहले कभी नहीं देखा. उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों पर हमला करने वाले लोग कौन थे और उनकी पहचान सार्वजनिक कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए.

शोभा ओझा ने इस घटना की तुलना निर्भया कांड के दौरान हुई बर्बरता से करते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक और लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने पुलिसकर्मियों तथा कार्रवाई में शामिल अन्य लोगों को तत्काल बर्खास्त करने और उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं, युवाओं और छात्रों की आवाज को दबाने के प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती हैं.

सिंहस्थ की तैयारियों में जुटी एमपी पुलिस

विशेष संवाददाता

भोपाल, 23 जुलाई. सिंहस्थ-2028 की व्यापक तैयारियों के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने राज्यभर में प्रशिक्षण अभियान को तेज करते हुए शुक्रवार को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स सेमिनार आयोजित किया.

सेमिनार में जिला स्तर पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा, मैदानी अनुभवों का आदान-प्रदान तथा पुलिस प्रशिक्षण में नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की गई. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि सिंहस्थ-2028 पुलिस बल की व्यावसायिक दक्षता, समन्वय क्षमता और जनसेवा की भावना की महत्वपूर्ण परीक्षा होगी.

मध्यप्रदेश में रेल सुविधाओं का विस्तार

3 साल में शुरू हुईं 33 जोड़ी नई ट्रेनें

भोपाल, 24 जुलाई. मध्य प्रदेश में रेल यात्रियों की सुविधा और बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए भारतीय रेल लगातार नेटवर्क का विस्तार कर रही है. रेलवे ने राज्य में यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 1 अप्रैल 2023 से 30 जून 2026 तक कुल 33 जोड़ी नई ट्रेनों का संचालन शुरू किया है. इनमें वंदे भारत एक्सप्रेस, मेमू और पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं.

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के विभिन्न स्टेशनों से गुजरने वाली इन नई ट्रेनों से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध हुए हैं.

वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 80 हजार 500 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया. वहीं, ट्रेन सेवाओं के विस्तार के लिए लगभग 870 अतिरिक्त कोच स्थायी रूप से जोड़े गए हैं.

रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि नई ट्रेन सेवाओं की शुरुआत और ट्रेनों के विस्तार की प्रक्रिया लगातार जारी रहती है. इसके लिए परिचालनिक क्षमता, संसाधनों की उपलब्धता और यात्रियों की मांग जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाता है.

10 वंदे भारत, 14 अमृत भारत ट्रेनें दे रहीं सेवाएं

रेलवे के अनुसार, 22 जुलाई 2026 तक देशभर में संचालित 162 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में से 10 सेवाएं मध्य प्रदेश के स्टेशनों की जरूरतों को पूरा कर रही हैं. इसी तरह देश में चल रही 72 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से 14 ट्रेनें मध्य प्रदेश के यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं. रेल मंत्रालय ने बताया कि यात्रियों को अधिक सुविधा देने के लिए त्योहारों, छुट्टियों और भीड़भाड़ वाले समय में विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया जाता है. इसके अलावा जरूरत के अनुसार ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी लगाए जाते हैं.

9 राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर ने दिया नोटिस

नवभारत न्यूज

रीवा, 24 जुलाई. कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 9 राजस्व अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है. राजस्व न्यायालयों में अविवादित नामांतरण, सीमांकन, के प्रकरणों पर मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी योजना के तहत निर्धारित समय में निराकरण न करने पर नोटिस दिया है.

तीन दिन की समय सीमा में निराकरण करके संतोषजनक उत्तर न देने पर मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी. कलेक्टर ने कहा है कि लोक सेवा गारंटी एक्ट में शामिल सेवाओं को समय सीमा में आवेदक को उपलब्ध कराना अनिवार्य है अधिकारियों द्वारा प्रकरणों के निराकरण में ध्यान नहीं दिया. इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए नोटिस दिया गया है. सुधीर कुमार बेक नजूल अधिकारी रीवा को अविवादित नामांतरण के 120 प्रकरण तथा राजीव शुक्ला तहसीलदार हुजूर को अविवादित नामांतरण के 106 तथा सीमांकन के 3 प्रकरण समय सीमा से बाहर होने पर नोटिस दिया गया है. राजेश तिवारी तहसीलदार त्योंथर को अविवादित नामांतरण के सरकिल रायपुर सोनौरी में 59, त्योंथर में 29, वृत्त गढ़ी में 56 तथा वृत्त सोहागी में 39 प्रकरण समय सीमा से बाहर होने का नोटिस दिया गया है.

इवेंट कंपनी बन सकती है, शिप्रा आरती की सारथी

- विवाद के बीच चर्चाएं तेज, निजी हाथों में सौंपने की तैयारी
- रामघाट को कराया गया अतिक्रमण मुक्त
- फूल प्रसाद व्यापारी और पुजारी के बीच मारपीट के बाद नया मोड़

नवभारत न्यूज

उज्जैन. 3 अगस्त को भगवान महाकाल की सवारी निकलेगी. परंपरा के अनुसार मोक्षदायिनी मां शिप्रा के पावन जल से बाबा महाकाल का जलाभिषेक और पूजन रामघाट पर होगा. इससे पहले प्रशासन ने रामघाट को अतिक्रमण मुक्त कराने की बड़ी कार्रवाई की है. इन सबके बीच अब रामघाट की प्रतिदिन होने वाली शिप्रा संध्या आरती को लेकर नई चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है की निजी इवेंट कंपनी को शिप्रा आरती की कमान सोपने की तैयारी है.

23 जुलाई 2026 को रामघाट पर फूल-प्रसादी बेचने वाले व्यापारियों और शिप्रा आरती से जुड़े पुजारी के बीच हुए मारपीट विवाद के बाद पूरा मामला सुर्खियों में आ गया था. महाकाल थाना पुलिस ने दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज की थी. घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए, जिसके बाद शिप्रा आरती की व्यवस्था और संचालन को लेकर बहस तेज हो गई.

मुनादी कराई, रामघाट हुआ खाली - विवाद के बाद जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रामघाट पर मुनादी कराई. आठ लाउडस्पीकर, पांच गुमटियां, एक काउंटर और हाथ ठेले जब्त किए गए. साथ ही स्पष्ट किया गया कि घाट क्षेत्र में किसी भी प्रकार का व्यवसाय या अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

घाट पर पालकी पूजन -रामघाट क्षेत्र के पुजारियों और धार्मिक संगठनों का कहना है कि प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मां शिप्रा में स्नान और पूजन करने आते हैं. उनकी आस्था का सम्मान होना चाहिए. साथ ही बाबा महाकाल की पालकी जब रामघाट पहुंचती है, तब शिप्रा पूजन और पालकी पूजन की परंपरा भी निर्विघ्न जारी रहनी चाहिए. विरोध के वीडियो वायरल-इस पूरे घटनाक्रम के दौरान श्री क्षेत्र पंडा समिति के संयोजक राजेश त्रिवेदी ने भी प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध किया. उन्होंने पुलिस और नगर निगम पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई के आरोप लगाए. उनके बयान और विरोध के वीडियो भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुए.

अलग-अलग प्रतिक्रिया सामने आई...

शिप्रा आरती को लेकर अब दो अलग-अलग मत सामने आ रहे हैं. एक पक्ष का कहना है कि आरती पूरी तरह व्यावसायिक स्वरूप ले चुकी है और श्रद्धालुओं से राशि लेकर आरती कराई जाती है, इसलिए इसकी वर्तमान व्यवस्था पर पुनर्विचार होना चाहिए. वहीं दूसरा पक्ष मानता है कि शिप्रा आरती उज्जैन की धार्मिक पहचान और ब्रांडिंग का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा इसे वाराणसी की गंगा आरती की तर्ज पर और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप में संचालित किया जाना चाहिए.

निजी संस्था कर सकती है संचालन

नवभारत को मिली जानकारी के अनुसार रामघाट पर प्रतिदिन होने वाली शिप्रा संध्या आरती के संचालन को नए स्वरूप में देने की तैयारी पर भी मंथन चल रहा है. चर्चा है कि भविष्य में किसी निजी संस्था या एजेंसी के माध्यम से आरती का संचालन कराया जा सकता है. इसके साथ ही इसे अधिक भव्य स्वरूप देने तथा जजमानों के सहयोग से नियमित व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन बताया जा रहा है.

अभी सवारी पर फोकस-हालांकि अभी तक जिला प्रशासन या संबंधित विभाग की ओर से शिप्रा आरती को किसी निजी संस्था को सौंपने संबंधी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान सावन और महाकाल की सवारियों की व्यवस्थाओं पर केंद्रित है।अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि सावन-भादौ के बाद रामघाट की शिप्रा संध्या आरती की व्यवस्था को लेकर प्रशासन क्या निर्णय लेता है और क्या धार्मिक परंपरा तथा व्यवस्थागत सुधार के बीच कोई नया मॉडल सामने आता है.

सदस्यता ग्रहण | विकासवादी नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के नेता भाजपा में हो रहे हैं शामिल

भाजपा ही दे सकती है विकास और सुरक्षा की गारंटी

दतिया/भोपाल, 24 जुलाई. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के समक्ष शुक्रवार को दतिया चुनाव कार्यालय में बसपा के सेवढ़ा से पूर्व प्रत्याशी लाखन सिंह यादव सहित कांग्रेस, बसपा के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा में शामिल

हुए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि दतिया की जनता अपने क्षेत्र का निरंतर विकास, समाज का सम्मान और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा चाहती है. इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करने का सामर्थ्य केवल भारतीय जनता पार्टी के पास है. भाजपा केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की भी चिंता करती है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है. इसी विकास यात्रा को दतिया में आगे बढ़ाने का कार्य भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी करेंगे. भाजपा सरकार ने विकास और जनकल्याण को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और यही विश्वास जनता को भाजपा के साथ जोड़ रहा है.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान, समर्पण और संगठन की भावना पर चलने वाला दल है. पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी क्षमता और योगदान के अनुरूप सम्मान एवं अवसर मिलता है. विभिन्न दलों से बड़ी संख्या में लोगों का भाजपा से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि जनता और कार्यकर्ताओं का विश्वास भाजपा की विकासवादी राजनीति पर लगातार मजबूत हो रहा है. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर भाजपा की नीतियों, सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाएं तथा भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60